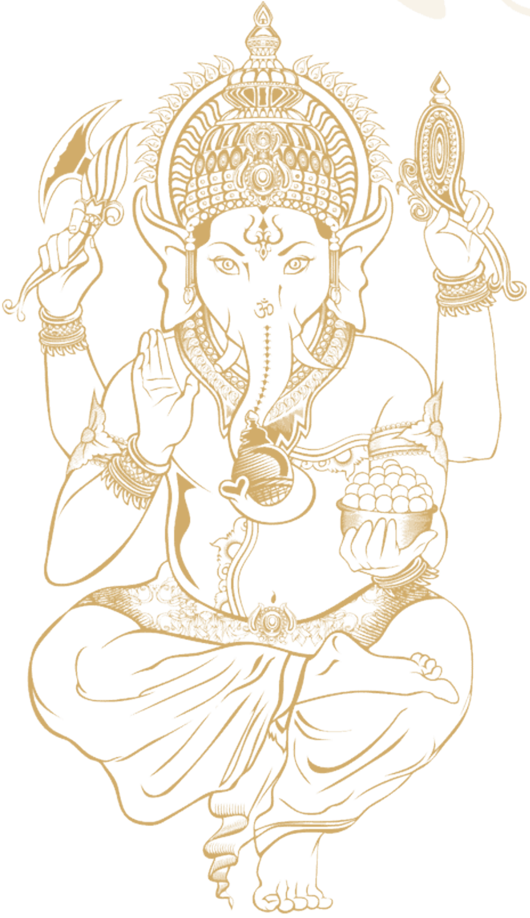

Mr shivshakti Kumari

08 Aug 2022

06:29 AM

Purnea

Model: web-freekundliweb

Order No: 120990404

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**08/08/2022**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**06:29:00 घंटे**
इष्ट	03:18:42 घटी
स्थान	**Purnea**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:47:00 उत्तर
रेखांश	87:31:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:49:04 घंटे
वेलान्तर	-00:05:42 घंटे
साम्पातिक काल	03:55:10 घंटे
सूर्योदय	05:09:31 घंटे
सूर्यास्त	18:21:09 घंटे
दिनमान	13:11:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	21:19:46 कर्क
लग्न के अंश	07:53:14 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ऐन्द्र
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यी-यीशा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	07:53:14	319:26:33	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			कर्क	21:19:46	00:57:29	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	25:03:40	14:30:51	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	नीच राशि
मंगल			मेष	28:22:33	00:37:33	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
बुध			सिंह	11:58:06	01:35:08	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	14:22:38	00:02:00	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	स्वराशि
शुक्र			कर्क	01:16:38	01:13:10	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
शनि	व		मक	28:13:43	00:04:27	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु	व		मेष	24:09:50	00:03:25	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	24:09:50	00:03:25	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
हर्ष			मेष	24:38:16	00:00:49	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप	व		मीन	00:51:01	00:01:11	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो	व		मक	02:44:32	00:01:20	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			वृष	06:45:47	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:10

लग्न-चलित

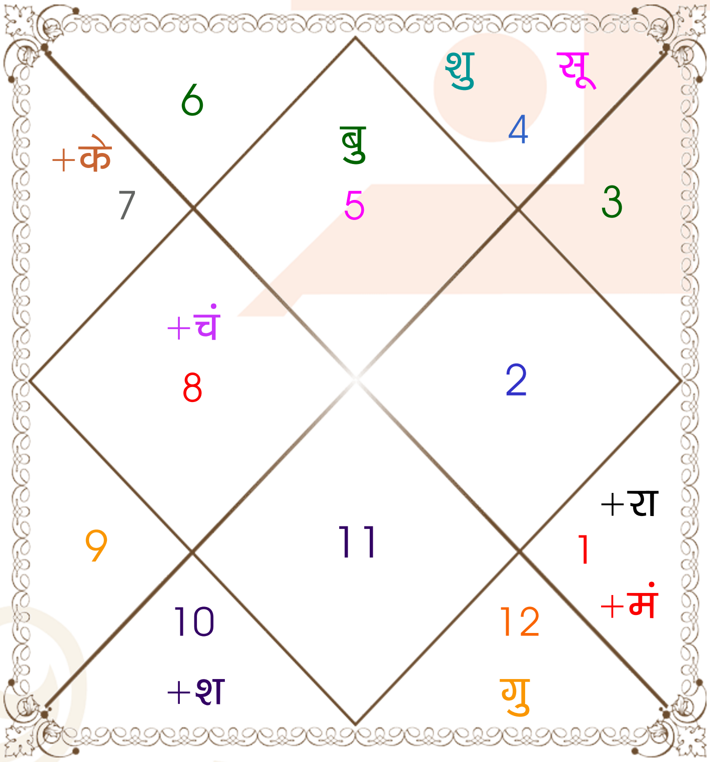

चन्द्र कुंडली

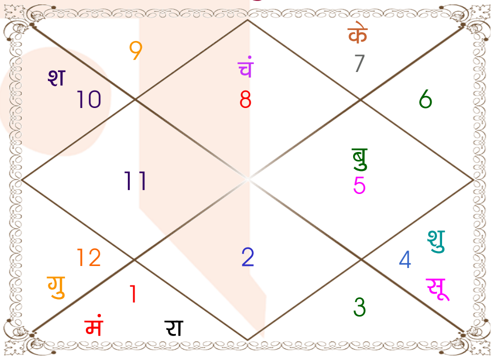

नवमांश कुंडली

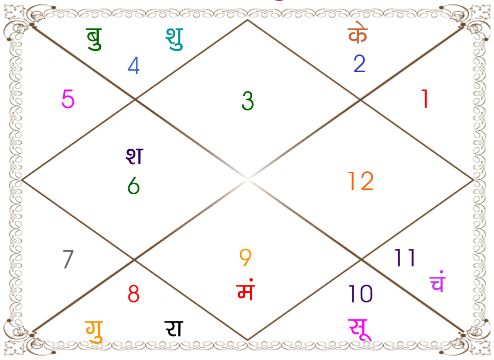

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 6 वर्ष 3 मास 17 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
08/08/2022		24/11/2028		25/11/2035		25/11/2055		24/11/2061	
24/11/2028		25/11/2035		25/11/2055		24/11/2061		25/11/2071	
	00/00/0000	केतु	22/04/2029	शुक्र	26/03/2039	सूर्य	13/03/2056	चंद्र	24/09/2062
	00/00/0000	शुक्र	22/06/2030	सूर्य	25/03/2040	चंद्र	12/09/2056	मंगल	25/04/2063
	00/00/0000	सूर्य	28/10/2030	चंद्र	24/11/2041	मंगल	18/01/2057	राहु	24/10/2064
	00/00/0000	चंद्र	29/05/2031	मंगल	24/01/2043	राहु	12/12/2057	गुरु	23/02/2066
	00/00/0000	मंगल	25/10/2031	राहु	24/01/2046	गुरु	30/09/2058	शनि	25/09/2067
	08/08/2022	राहु	12/11/2032	गुरु	24/09/2048	शनि	12/09/2059	बुध	23/02/2069
राहु	10/12/2023	गुरु	19/10/2033	शनि	25/11/2051	बुध	19/07/2060	केतु	24/09/2069
गुरु	17/03/2026	शनि	27/11/2034	बुध	24/09/2054	केतु	24/11/2060	शुक्र	26/05/2071
शनि	24/11/2028	बुध	25/11/2035	केतु	25/11/2055	शुक्र	24/11/2061	सूर्य	25/11/2071

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
25/11/2071		24/11/2078		24/11/2096		25/11/2112		26/11/2131	
24/11/2078		24/11/2096		25/11/2112		26/11/2131		00/00/0000	
मंगल	22/04/2072	राहु	06/08/2081	गुरु	12/01/2099	शनि	29/11/2115	बुध	23/04/2134
राहु	10/05/2073	गुरु	31/12/2083	शनि	26/07/2101	बुध	08/08/2118	केतु	20/04/2135
गुरु	16/04/2074	शनि	06/11/2086	बुध	01/11/2103	केतु	17/09/2119	शुक्र	18/02/2138
शनि	26/05/2075	बुध	25/05/2089	केतु	07/10/2104	शुक्र	16/11/2122	सूर्य	26/12/2138
बुध	22/05/2076	केतु	13/06/2090	शुक्र	08/06/2107	सूर्य	29/10/2123	चंद्र	26/05/2140
केतु	18/10/2076	शुक्र	13/06/2093	सूर्य	26/03/2108	चंद्र	29/05/2125	मंगल	23/05/2141
शुक्र	18/12/2077	सूर्य	07/05/2094	चंद्र	26/07/2109	मंगल	08/07/2126	राहु	09/08/2142
सूर्य	25/04/2078	चंद्र	06/11/2095	मंगल	02/07/2110	राहु	14/05/2129		00/00/0000
चंद्र	24/11/2078	मंगल	24/11/2096	राहु	25/11/2112	गुरु	26/11/2131		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 6 वर्ष 3 मा 1 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्य संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली महिलाओं में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी स्त्री हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपको अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होंगी।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगी। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करती।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगी परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगी। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगी।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित महिला हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करती हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाली हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहती हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभाव्य है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपनी मित्रों की मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगी। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझी जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहती हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।